02-08-2023

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान बना शुगर तकनीक का विश्व गुरु

- कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की बढ़ेगी उत्पादकता
- अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं-निदेशक नरेंद्र मोहन

आज का कानपुर

कानपुर । देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा हाल ही में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक

टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी इंडोनेशिया के अलावा, हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर है। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे।

तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण व तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा एनएसआई

कानपुर (नगर छाया समाचार)। देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। यह जानकारी पत्रकार वार्ता के दौरान एनएसआई के निदेशक ने प्रदान की।

हाल ही में, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर-दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी।

इंडोनेशिया के अलावा, हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत

तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे।

क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था, कि चीनी मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर है। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।

पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण देगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

ब्यूरो चीफ विशाल सैनी वीर दृष्टि कानपुर- देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। हाल ही में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशे प्रदान करने जा रहे है। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी। इंडोनेशिया के अलावा हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा

के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझोता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निदेशक ने बताया।

चीनी मिल का अवलोकन करते एनएसआई के निदेशक नरेंद्र मोहन।

4 देशों की चीनी मिलों को तकनीकी दक्षता प्रदान करेगा एनएसआई

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 1 अगस्त। अब राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर (एनएसआई) 4 विदेशी की चीनी मिलों को आधुनिकीकरण के साथ ही तकनीकी दक्षता प्रदान करेगा, जिसमें इंडोनेशिया, फिजी, बांग्लादेश और क्यूबा शामिल है। इसमें चीनी का कटोरा कहा जाने वाला क्यूबा एनएसआई के विविधीकरण के मॉडल अपनाने के साथ-साथ ही चीनी उद्योग से जुड़े सह उत्पादों में रुचि दिखा रहा है और जल्द ही एक समझौता होगा। इन 4 देशों में समझौते के तहत चीनी उद्योग से जुड़ी इंजीनियरिंग, तकनीकी रूप से निपुण छात्रों के रोजगार के अवसर के साथ ही संस्थान को करोड़ों रुपये का राजस्व भी प्राप्त होगा, जोकि एक बड़ी उपलब्धि है। मंगलवार को एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने पत्रकारों को बताया कि एनएसआई की टीम ने इंडोनेशिया में

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान बना शुगर तकनीक का विश्व गुरु

पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया था, जिसमें चीनी मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन बढ़ाने के लिए अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे है, जिसमें वहां की तकनीकी अधिकारियों की टीम एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवम्बर-दिसम्बर 2023 में संस्थान आएगी। फिजी में 3 चीनी मिलों का आधुनिकीकरण और तकनीकी दक्षता के लिए सहमति बन चुकी है और जल्द ही एमओयू साइन होगा। वहीं बांग्लादेश में शुगर फूड कार्पोरेशन में प्रशिक्षण के साथ कार्यशैली में सुधार के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम भी देंगे। प्रो. नरेंद्र मोहन ने बताया कि वैसे तो इजिप्ट, केन्या, नाइजीरिया, यमन, भूटान, नेपाल, श्रीलंका आदि 11 देशों में चीनी उद्योग से जुड़े सुझाव व तकनीकी परामर्श देते रहे हैं। अब एक साल में कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिएतकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श भी प्रदान करेगा।

तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा शर्करा संस्थान

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर । देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा।

यह जानकारी पत्रकार वार्ता के दौरान एनएसआई के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने प्रदान की हाल ही में, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए

अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर-दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी इंडोनेशिया के अलावा, हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था, कि चीनी मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

के इस अत्यन्त रमणीय स्थल पर शिव करें उनसे जो मिलना था वह मिल और उन्हें दूर करते - करते स्वयं उपस्थित रहे।

चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण देगा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान

दि ग्राम टुडे, कानपुर।

(विशाल सैनी,रमेश चंद्र सैनी)

देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों में मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए, कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा। हाल ही में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली शुगर ग्रुप की एक चीनी मिल का दौरा किया। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर अपितु मिल के आधुनिकीकरण और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे है। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर दिसंबर 2023 में संस्थान आएगी। इंडोनेशिया के अलावा हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों में दक्षता में सुधार के लिए हमसे संपर्क कर रहा है। संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेगी। संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्यरत तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जायेंगे। क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी

मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं। विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है। क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझोता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनों द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है।पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसंस्करण के क्षेत्र में नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा में मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निदेशक ने बताया।

एनएसआई ने विदेशी सरजमीं पर भारतीय शुगर टेक्नोलॉजी की पताका फहराई

इंडोनेशिया का डेलिगेशन नवंबर दिसंबर माह मे प्रशिक्षण लेने संस्थान आएगा

दैनिक देश मोर्चा
संवाददाता मनी वर्मा

देश की सीमाओं से परे जाकर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर कई विदेशी चीनी उत्पादक देशों मे मौजूदा चीनी मिलों की उत्पादकता बढ़ाने के लिए कार्यरत तकनीक कर्मियों को प्रशिक्षण और तकनीकी परामर्श प्रदान करेगा हाल ही मैं, संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन के नेतृत्व में संस्थान की एक टीम ने प्रोसेसिंग के दौरान चीनी के नुकसान एवं ऊर्जा की खपत को कम करने के लिए उपाय सुझाने के लिए इंडोनेशिया में पीटी पीजी राजवाली - शुगर वरूप की एक चीनी मिल का दौरा किया राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा, हम उन्हें न केवल इन क्षेत्रों पर, अपितु मिल के आधुनिकीकरण

और चीनी उत्पादन की मौजूदा प्रक्रिया को परिवर्तित करने के लिए अल्पकालिक, मध्यावधि और दीर्घकालिक सिफारिशें प्रदान करने जा रहे हैं। मिल से तकनीकी अधिकारियों की एक टीम भी एक प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए नवंबर-दिसबर 2323 में संस्थान आएगी इंडोनेशिया के अलावा, हमें मौजूदा चीनी इकाइयों की दक्षता और वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए बांग्लादेश, क्यूबा और फिजी से अनुरोध प्राप्त हुए हैं। फिजी में स्थित चीनी मिलों में उत्पादकता कम है और फिजी चीनी निगम अपनी मौजूदा तीन चीनी मिलों मे दक्षता में सुधार के हमसे संपर्क कर रहा है संस्थान की एक टीम एमओयू पर हस्ताक्षर करने और तकनीकी परामर्श देने के लिए शीघ्र ही फिजी का दौरा करेंगी संस्थान द्वारा फिजी की चीनी मिलों में कार्य तकनीक कर्मियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे क्यूबा जिसे पहले चीनी का कटोरा माना जाता था की चीनी मिलों में मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए सह-उत्पादों के उपयोग की कमी है और इस प्रकार वे चीनी से होने वाले राजस्व पर ही निर्भर हैं विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए संस्थान द्वारा सुझाए गए विविधीकरण के मॉडल को क्यूबा के चीनी उद्योग द्वारा बहुत पसंद किया गया है क्यूबा की चीनी मिलों से संबंधित संगठन, आईसीआईडीसीए ने संस्थान के साथ एक समझौता करने की इच्छा जताई है और जिसके लिए मसौदा प्रस्ताव दोनों संगठनो द्वारा अनुमोदित कर लिया गया है पड़ोसी देश बांग्लादेश ने बांग्लादेश चीनी और खाद्य उद्योग निगम के माध्यम से चीनी प्रसस्करण के क्षेत्र मे नवीनतम तकनीकी प्रगति के बारे में ज्ञान को उन्नत करने के लिए अपने सेवा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए संस्थान का समर्थन लेने की इच्छा जताई है। इस दिशा मे मंत्रालय के साथ विमर्श करके अग्रिम कार्यवाही की जा रही है और तदनुसार हम बांग्लादेश स्थित में चीनी कारखानों और राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में वांछित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे निर्देशक ने बताया।

NSI to provide training to enhance productivity of sugar plants

PIONEER NEWS SERVICE ■ KANPUR

Director of National Sugar Institute (NSI) Prof Narendra Mohan while addressing mediapersons at the institute on Tuesday said moving beyond boundaries of the country, the NSI will impart training of manpower employed and consultancy for productivity enhancement of the existing sugar plants in many overseas sugar producing countries. Addressing presspersons after his return from Indonesia he said the visit was meant to observe the working and suggest measures to be taken for reducing sugar losses during processing, steam and power consumption. He said the NSI is going to provide them short term, mid term and long term recommendations not only on these areas but also to modernise the plant and converting existing process of sugar production. He said officials from Indonesia will arrive at the institute between November and December this year for attending a training programme. He said in addition to Indonesia the NSI had received requests from Bangladesh, Cuba and Fiji for seeking support of the institute for improving the working and thus financial conditions of the existing sugar units. He said the productivity in Fiji sugar factories was wanting and thus Fiji Sugar Corporation was pursuing NSI for efficiency improvement in their existing three sugar plants. Prof Mohan said to undertake the work a team from the institute was likely to visit Fiji to sign an MoU and take up the work which also included training of manpower. He said sugar factories in Cuba, earlier considered as 'sugar bowl' lacked in utilisation of by-products for producing value-added products and thus depend on revenues from sugar. He said models of diversification suggested by the institute to produce such innovative products had appealed a lot to the Cuban sugar industry, the organisation concerned, ICIDCA, has desired to enter into an MoU with the institute and for which draft proposal had been approved by both the organisations. He said that the neighbouring country, Bangladesh through Bangladesh Sugar and Food Industries Corporation had also desired to seek institute's support for training of their in-service personnel for upgrading their knowledge about latest technological advancements in the area of sugar processing. He said modalities were being worked out and accordingly NSI will conduct desired training programmes at the site of sugar factories in Bangladesh and at NSI.

MEETING: The Pensioners' Forum and Retired Employee Pensioners' Association jointly organised a virtual meeting on Tuesday which was chaired by former's general secretary Anand Awasthi. Pensioners' representatives of central/state government, nagar nigam, Jal Kal and Education departments took part in the meeting. Convenor of Pensioners' Association BL Gulabia said the orders issued by the central government for the pensioners were notified by the state government after several days. Thereafter, these orders were released by the nagar nigam, Jal Kal and Education department which take another six months despite the fact that the dearness allowance (DA) payable to all pensioners remained the same. BP Srivastava said there should be no discrimination among pensioners of different departments. It was, therefore, decided that in view of the online facility available in all departments orders of the Central government regarding fixation of the DA be released simultaneously by the respective state government and other departments the same day. Central government pensioners Arunesh Tewari, BP Srivastava, Satya Narain, Vinay Upadhyaya, state government pensioners BL Gulabia, Umesh Singh, Vishnu Pal, Ravindra Kumar Madhur, Ram Rani Katiyar, Vimla Mishra and Sunil Suman, Sushil Sagar, Rajesh Khanna and Hiralal Sharma of Jal Kal Vibhag were present at the meeting.

Link for Digital News

- Kanpur: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान की प्रेस कॉन्फ्रेंस। JK NEWS